

## ALL India Institute of Medical Sciences, Rishikesh- 249203 अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश -249203 Social Outreach cell

# धनवंतरी अभियान

## डेंगू "सेवन प्लस वन" जनजागरूकता साप्ताहिक रिपोर्ट

**दिनांक :-** 14 अक्टूबर 2022

परिचय:- डेंगू बुखार वायरस (विषाणु) से फैलता है, जोिक मच्छर द्वारा संचारित होता है इस बीमारी के मुख्य लक्षण - तीव्र बुखार, सरदर्द, थकान, तथा शरीर में चकत्ते पड़ना है। वयस्को के मुकाबले बच्चों में इस बीमारी की तीव्रता अधिक होती है। तथा काफी लोगों को प्रभावित करती है। आम भाषा में इस बिमारी को 'हड़ी तोड़ बुखार' कहा जाता है। क्योंकि इसके कारण शरीर व जोड़ों में बहुत दर्द होता है। डेंगु का वायरस मादा मच्छर (एडीज एजिप्टी) के काटने से फैलता है भारत में यह रोग बरसात के मौसम में तथा उसके तुरन्त बाद के महीनों (जुलाई से अक्टूबर) में सबसे अधिक होता है। डेंगू बुखार से पीड़ित रोगी के रक्त में डेंगू वायरस काफी मात्रा में होता है। जब कोई एडीज मच्छर डेंगू के किसी रोगी को काटता है तो खुन के साथ डेंगू वायरस भी मच्छर के शरीर में प्रवेश कर जाता है। डेंगू वायरस युक्त मच्छर किसी अन्य स्वस्थ व्यक्ति को काटता है तो वह डेंगू वायरस को उस व्यक्ति के शरीर में पहुंचा देता है। इस प्रकार वह व्यक्ति डेंगू वायरस से संक्रमित हो जाता है तथा कुछ दिनों के बाद उसमें डेंगू बुखार के लक्षण प्रकट हो सकते हैं। इसलिए डेंगू जैसी मच्छर जनित बीमारी के लिए किसी अन्य पर निर्भर न रहकर खुद के प्रयास से ही इस बीमारी का अंत किया जा सकता है। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए एम्स ऋषिकेश में सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग के सह - आचार्य डॉक्टर संतोष कुमार ने डेंगू भयावह दृश्य को देखते हुए 2019 में ''डेंगू सेवन प्लस वन ''अभियान की नींव रखी गई। यह एक वैज्ञानिक तरीके द्वारा प्रमाणित अभियान है इस अभियान का प्रथम चरण 2019 में एम्स, ऋषिकेश परिसर में किया गया इसके पश्चात इस अभियान को नगर निगम ऋषिकेश के साथ मिलकर ऋषिकेश के सभी क्षेत्रों में चलाया गया।

#### डेंगू सेवन प्लस वन के उद्देश्य:-

- 1. डेंगू से बचाव एवं नियंत्रण के लिए स्थानीय लोगों की भागीदारी को सुनिश्चित करना एवं व्यवहार परिवर्तन तथा मनोवैज्ञानिक ढंग से डेंगू जैसी महामारी से लड़ने के लिए सक्षम बनाना।
- 2. डेंगू नियंत्रण एवं बचाव के लिए अपने-अपने क्षेत्रों में बहुउद्देशीय टीम का गठन करना एवं बहुउद्देशीय टीम को आशा/ए.एन.एम./ क्षेत्रीय स्वास्थ्य कर्मचारी द्वारा प्रशिक्षण देना।
- 3. अपनी बस्ती, गांव और संवेदनशील क्षेत्रों में समय-समय पर जन जागरूकता कार्यक्रम करना |

ऋषिकेश क्षेत्र में डेंगू के बढ़ते केसो को ध्यान में रखते हुए दिनांक 08 /09 /2022 को ऋषिकेश नगर निगम की महापौर श्रीमती अनीता ममगाई द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमे सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग के सह-आचार्य और सोशल आउटरीच सेल नोडल अधिकारी डॉ संतोष कुमार द्वारा ''डेंगू

सेवन प्लस वन "मॉडल ऋषिकेश नगर निगम के क्षेत्रों में लागू किया गया इस मॉडल के तहत ऋषिकेश के ऐसे क्षेत्रों को चुना गया जो डेंगू संभावित क्षेत्र और हॉटस्पॉट बने हुए हैं यह क्षेत्र निम्नलिखित है सर्वहारा नगर, मायाकुंड, शांति नगर, बापू ग्राम, 20 बीघा, बाल्मिकी बस्ती, और चंद्रेश्वर नगर आदि को चुना गया।



#### प्रथम 2 दिन समय (1 घंटा)

**डेंगू सेवन प्लस वन जन जागरूकता बैठक :-** दिनांक 10/9/2022 को एम्स,ऋषिकेश के डॉ. संतोष कुमार और नगर निगम आयुक्त श्री राहुल कुमार गोयल की पहल पर शनिवार को संयुक्त रणनीति बनाने के लिए सभी विभागों के अधिकारियों के साथ मिलकर डेंगू की रोकथाम के लिए आवश्यक उपायों पर चर्चा की गई। सामुदायिक चिकित्सा विभाग के डॉ संतोष कुमार ने कहा कि हम सब मिलकर आपस में तालमेल बनाकर सेवन प्लस वन कार्यक्रम संचालित करेंगे जिसमें डेंगू सेवन प्लस वन अभियान के तहत एक बहुउद्देशीय टीम का गठन किया गया जिसमें एम्स ऋषिकेश के सोशल आउटरीच सेल टीम व (यू.पी.एच.सी) सेंटर से ए.एन.एम और आशा कार्यकर्ता, वरिष्ठ नागरिक कल्याण संगठन ऋषिकेश, क्षेत्रीय पार्षद, कम्युनिटी के सदस्य, नगर निगम के कर्मचारी, राजकीय चिकित्सालय से लैब टेक्नीशियन,स्थानीय स्कूल, एन.जी.ओ के साथ मिलकर एक टीम बनाई गई है | जिनको डेंगू के बारे में एम्स के डॉक्टर द्वारा विस्तार से बताया गया है | प्रत्येक क्षेत्र बस्ती में एक ऐसी बहुउद्देशीय टीम बनाई गई जो सात दिन तक "डेंगू सेवन प्लस वन"अभियान का यह कार्यक्रम चलाएगी | जिसका प्रमुख उद्देश्य यह होगा कि वह क्षेत्र के प्रत्येक घर में जाकर लोगों को डेंगू के प्रति जानकारी और सजग करेगी और क्षेत्र में बढ़ रहे डेंगू के केस को चिन्हित भी करेगी | एम्स, ऋषिकेश की पहल पर रविवार से सभी क्षेत्रों में महा अभियान शुरू किया गया इस कार्यक्रम को निम्नलिखित प्रकार से संचालित किया |



- गाँव में /बस्तियों में डेंगू के संभावित प्रजनन स्थल का चयन (हॉटस्पॉट):- सेवन प्लस वन कार्यक्रम के अंतर्गत सर्वप्रथम अपने शहर, निगम, गाँव, बस्तियों या क्षेत्र में उन क्षेत्रों को चिन्हित करना जहां पर विगत वर्ष डेंगू के अधिक मरीजों को देखा गया था जहां पर अधिक मच्छर होने की संभावना है इस प्रक्रिया को उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों की मैपिंग (हॉट-स्पॉट मैपिंग) या सोशल मैपिंग कहते हैं| इस अभियान के तहत ऋषिकेश के ऐसे स्थानों को चुना गया है जो डेंगू संभावित क्षेत्र और हॉटस्पॉट बने हुए हैं दिनांक 11 से 12 सितम्बर 2022 तक निम्न क्षेत्रों में यह अभियान चलाया गया | सर्वहारा नगर, मायाकुंड, शांति नगर, बापू ग्राम, 20 बीघा, बाल्मिकी बस्ती, और चंद्रेश्वर नगर आदि को चुना गया है|
- "डेंगू सेवन प्लस वन" अभियान चलाने के लिए एम्स ऋषिकेश के सोशल आउटरीच सेल टीम, शहरी प्राथमिकता स्वास्थ केंद्र से (ए.एन. एम) आशा कार्यकर्ता, क्षेत्रीय पार्षद, ग्राम प्रधान,नगर पालिका कर्मचारी,स्थानीय प्रशासन,सामुदायिक स्वास्थकर्मी, स्थानीय एजेंसी, का गठन किया गया।
- डेंगू के रोकथाम और नियंत्रण के लिए आशा और ए.एन.एम के द्वारा बहुउद्देशीय टीम नगरपालिका कर्मचारी वार्ड सदस्य, स्कूल छात्र तथा स्थानीय नेताओं का प्रशिक्षण।
- ऋषिकेश क्षेत्र में डॉ. संतोष कुमार के नेतृत्व एवं दिशा-निर्देशन में "डेंगू सेवन प्लस वन" टीम द्वारा डेंगू जनजागरूकता कार्यक्रम चलाया गया जिसमे टीम द्वारा स्थानीय लोगों को घर घर जाकर डेंगू बीमारी के प्रति जागरूक व सचेत किया | साथ ही लोगों को बताया की आप डेंगू के कहर से अपने आप किस तरह से बचा सकते हैं। और क्या उपाय करने हैं. जैसे की घरों में सभी के पास कूलर व फ्रिज होते हैं और यह घर के अंदर लगे होते हैं तथा बरसात के मौसम में इनमे मच्छर के होने की सम्भावना अधिक होती है और इनके आलावा, बरसात के दौरान गड्ढों में जमा हुए पानी, छतो पर रखे टायर, फूलदान, टूटे हुए बर्तन प्लास्टिक का सामान आदि जिनमे पानी ठहरता हो मच्छरों के पनपने के स्थान हैं। फ्रिज के पीछे लगी पानी इकठ्ठा करने वाली ट्रे को भी प्रतिदिन साफ करना जरुरी है।और विशेष रूप से बरसात के मौसम में मच्छरों के प्रजनन स्थलों को निष्क्रिय करना भी बहुत आवश्यक है अंडे से पूर्ण मच्छर बनने में मच्छर को सात दिन का समय लगता है। इन सात दिनों के भीतर कम से कम एक बार आपको घर में व घर के आसपास सफाई करना जरुरी है। अगर घर में खिड़की या दरवाजा टुटा हुआ है तो उसे तुरंत ठीक कराये तथा खिड़कियां व दरवाजो पर मिहन जाली लगवाकर मच्छरों को अंदर आने से रोके। बच्चों या परिवार के सभी सदस्यों को घर में और बाहर जाने पर पूरे आस्तीन (बाजू) के कपड़े पहने के लिए प्रेरित किया।अगर कोई व्यक्ति डेंगू से संक्रमित है तो उसे दिन में भी मच्छरदानी का उपयोग

- करने को कहा ऐसा करने पर आप अपने परिवार और अन्य लोगो को डेंगू बीमारी के कहर से बचा सकते हैं।
- चयनित क्षेत्रों में आई॰ई॰सी, पोस्टरो के द्वारा, जन समुदाय को जागरूक व सचेत करने के लिए डेंगू नारेवाजी तथा सामुदायिक स्वच्छता कार्यक्रम के माध्यम से जागरूकता |



#### 3 दिन (1 घंटा)

तीन दिन दिनांक 13,14,15 सितम्बर 2022 में मजबूत सूचना प्रणाली पर सक्रिय रोग निगरानी, सक्रिय प्रजनन स्थलो की निगरानी एवं करवाई, संदिग्ध घरेलू बुखार के मामलों में निगरानी दिशा निर्देशन, डेंगू बुखार के लक्षणों वाले लोगो की पहचान कर डेंगू की जांच के लिए हॉस्पिटल भेजना, फॉिंग और कीटनाशक स्प्रे करके प्रजनन स्थलों को नष्ट करना |

- मजबूत सूचना प्रणाली पर आधारित सक्रिय रोग निगरानी | अगर आप डेंगू बुखार की चपेट में आ जाएं तो जितना हो सके आराम करने पर ध्यान दें और शरीर में पानी की कमी न होने दें। समय समय पर पानी लगातार पीते रहें। मच्छरों से बचाव करना बेहद आवश्यक है। इसके लिए दिन में भी पूरी बाजू के कपड़े पहनें ताकि मच्छर आपको काट न सके।
- डेंगू मच्छर के सक्रिय प्रजनन स्थलो की निगरानी और उन पर आवश्यक करवाई की गई ।



- डेंगू के लिए संदिग्ध घरेलू बुखार के मामलों की ए.एन.एम, आशा,नगर पालिका सदस्य, विरष्ठ नागरिक कल्याण संगठन के सदस्य, सोशल आउटरीच सेल टीम द्वारा सक्रिय निगरानी एवं दिशा निर्देशों के अनुसार जन जागरूकता कार्यक्रम।
- बस्तियों मे डेंगू बुखार के लक्षणों वाले लोगो की पहचान कर उनको सुरक्षा के उपाय और डेंगू की जांच के लिए प्रेरित कर हॉस्पिटल भेजना।
- डेंगू प्रजनन स्थल गमले,फ्रिज,कूलर व टायरों में लार्वा मारने की दवा, फॉगिंग और कीटनाशक स्प्रे का प्रयोग कर प्रजनन स्थलों को नष्ट किया गया ।



## अंतिम 2 दिन (1 घंटा)

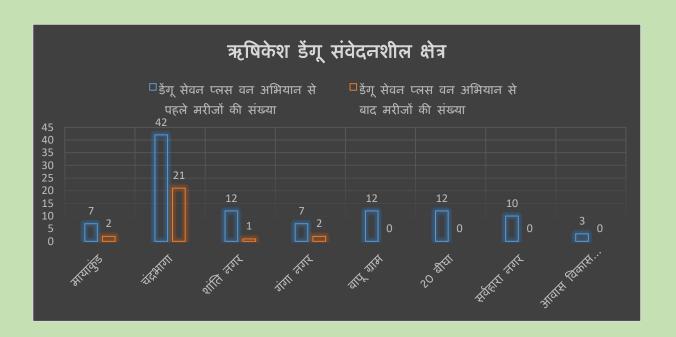
अंतिम दो दिन दिनांक 16,17 सितम्बर 2022 में "सेवन प्लस वन" टीम ने ऋषिकेश के डेंगू संभावित क्षेत्रों में जन जागरूकता अभियान, जनसंपर्क प्रशासनिक एकजुटता, रोग नियंत्रण, क्षेत्र में डेंगू बीमारी को बढ़ने न देने के लिये यथा संभव प्रयास, सोशल मीडिया द्वारा प्रतिदिन विज्ञापनो का संचार स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन से अपील क्षेत्र,गाँव, बस्ती, मोहल्लो में पारस्परिक संवाद एवं परामर्श के माध्यम से क्षेत्र में डेंगू महामारी को फैलने से रोकने के लिए आवश्यक उपाय किये जा रहे हैं |

- परिवर्तन के लिए संचार तथा स्थायी कार्य जिससे डेंगू संवेदनशील क्षेत्रों में लोगो को घर घर जाकर डेंगू के प्रति जागरूकता एवं सचेत करना |
- स्थानीय लोगों में जनसंपर्क / प्रशासनिक एकजुटता रोग नियंत्रण के लिए प्रभावपूर्ण व्यवहार को ध्यान में रखते हुए "डेंगू सेवन प्लस वन" अभियान कार्यक्रम चलाना |
- डेंगू जन जागरूकता टीम ने एम्स प्रशासन से भी इस सन्दर्भ में बात कर सामुदायिक एकजुटता डेंगू "सेवन प्लस वन" टीम के सहयोग और क्षेत्र के अन्य स्थानीय लोग जो एक साथ मिलकर कार्य करने से अपने क्षेत्र में डेंगू बीमारी को आने से रोकने के लिये हर संभव प्रयास करने के लिए लोगो को प्रेरित करना |
- डेंगू के सम्बन्ध में सोशल मीडिया, ज़रूरी विज्ञापनों के संचार द्वारा डेंगू सेवन प्लस टीम लगातार मिडिया की अपडेट देती रहती है जिससे लोग अपने आस-पास डेंगू मच्छर व बीमारी से बचाव हेतु साफ सफाई कर डेंगू बीमारी के प्रति जागरूक रहे।
- स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन से अपील की गयी है कि वह डेंगू बीमारी से सुरक्षा एवं बचाव के लिए "डेंगू सेवन प्लस वन" अभियान में अपना सहयोग सुनिश्चित करें ।
- आम जनमानस को डेंगू बीमारी से बचाने के लिए क्षेत्र,गाँव,बस्ती,मोहल्लो में सेवन प्लस टीम द्वारा लोगो के हित में पारस्परिक संवाद एवं परामर्श दिलाना |
- डेंगू बीमारी से बचाव के लिए सभी क्षेत्रों में टीम द्वारा क्षेत्रीय जन समुदाय को निर्देशित करना की वह टीम के साथ मिलकर एवं स्वयं से भी सप्ताह में एक दिन इस अभियान को चलाते रहे जिससे डेंगू का लार्वा व मच्छर क्षेत्र में पनप न सके और समाज में डेंगू जैसी महामारी न फ़ैल सकें |



एम्स, ऋषिकेश व नगर निगम ऋषिकेश के संयुक्त तत्वधान में ऋषिकेश क्षेत्र में डेंगू सेवन प्लस वन अभियान की शरुवात दिनांक 11 सितम्बर 2022 दिन रविवार से की गई थी जिसमें ऋषिकेश के वह क्षेत्र जो डेंगू मच्छर बीमारी के हॉट-स्पॉट बने हुए थे इन जगहों में एम्स ऋषिकेश व नगर निगम ऋषिकेश द्वारा बहुउद्देशीय टीम का गठन किया गया जो प्रतिदिन इन जगहों में - मायाकुंड, चंद्रभागा, चंद्रेश्वर नगर, शांति नगर, गंगा नगर, बापू ग्राम, 20 बीघा,सर्वहारा नगर, आवास विकास ऋषिकेश,में घर घर जाकर डेंगू के बढ़ते प्रकोप से लोगों को जागरूक व सचेत कराया इसका मुख्य उद्देश्य यह था की ऋषिकेश की जनता डेंगू जैसी घातक महामारी के बारे में जागरूक हो और इस बीमारी के प्रति अपने परिवार व समाज को जागरूक करके बीमारी को अपने क्षेत्र में आने से रोके। फैमिली फिजीशियन डॉ. संतोष कुमार ने बताया की ऋषिकेश क्षेत्र में डेंगू के बढ़ते संक्रमण को ध्यान में रखते हुए हमने एक ऐसी टीम का गठन किया जो डेंगू संवेदनशील एरिया में जाकर "डेंगू सेवन प्लस वन" अभियान के अंतर्गत डेंगू संक्रमित मरीजों का सर्वे किये और उन जगहों पर डेंगू जनजागरूकता कार्यक्रम चलाये। टीम के अथक प्रयास से घर घर जाकर डेंग् संक्रमित मरीजों का सर्वे किया और उन मरीजों की सूचि बंनाकर प्रतिदिन तहा पर प्रतिक्रिया की गर्ट

क्र. स.	क्राया का गड् — ऋषिकेश डेंगू संवेदनशील क्षेत्र	डेंगू सेवन प्लस वन अभियान से पहले मरीजों की संख्या	डेंगू सेवन प्लस वन अभियान से बाद मरीजों की संख्या
01	मायाकुंड	7	2
02	चंद्रभागा	42	21
03	शांति नगर	12	1
04	गंगा नगर	7	2
05	बापू ग्राम	12	0
06	20 बीघा	12	0
07	सर्वहारा नगर	10	0
08	आवास विकास ऋषिकेश	3	0



ऋषिकेश क्षेत्र में ''डेंगू सेवन प्लस वन'' अभियान चलाने से पहले डेंगू संक्रमित मरीजो की संख्या काफी बढ़ रही थी | क्षेत्र डेंगू सेवन प्लस वन अभियान चलाने के दौरान आम जन मानस की डेंगू संक्रमण के प्रति जागरूकता को देखते हुए अब उक्त क्षेत्रों में डेंगू के मरीजों में निरन्तर कमी आ रही है |

इन गतिविधियों को बनाए रखने के लिए निरंतर आईसी व्याख्यान,ऑडियो विजुअल,और मीडिया द्वारा अधिक से अधिक लोगों को डेंगू के लिए सप्ताह में एक दिन काम करने के लिए प्रेरित करता है और एम्स ऋषिकेश में डेंगू के नियंत्रण के लिए यह कार्यक्रम नियमित रूप से चल रहा है। जिसमें डेंगू की रोकथाम के लिए पर्याप्त कीटनाशक दवाओं का छिड़काव और घरों के भीतर एकत्र पानी को साफ किए जाने, तथा सभी तरह के बुखार पीड़ित व्यक्तियों की रक्त जांच एवं डेंगू से बचाव के लिए लोगों को जागरुक किया जा रहा है।

डॉ. संतोष कुमार (अपर - आचार्य) नोडल अधिकारी सोशल आउटरीच सेल अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स,ऋषिकेश